सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 349 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 30 जनवरी, 2023

मैं कभी मंदिर नहीं जाता, लेकिन जब मैं किसी बच्चे को देखता हूँ, तो मैं उसमे भगवान देखता हूँ।
-कैलाश सत्यार्थी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

लोकतंत्र पर हमला करवा रही... 2 | लोस चुनाव: यूपी में अखिलेश... 3 | नफरत छोड़ो, संविधान बचाओ... 7

बर्फबारी के बीच राहुल गांधी ने भरा भीड़ में जोश

टी-शर्ट का रंग लाल होने के लिए तैयार था: राहुल

» श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में उमड़ा जनसैलाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। भारी बर्फबारी के बीच पूरे जोश के साथ भारत जोड़ो यात्रा श्रीनगर पहुंचकर समाप्त हो गई। उसके बाद राहुल ने शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा-आरएसएस पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने इस रैली में कहा मैंने सोचा जो मुझसे नफरत करते हैं, उन्हें एक मौका दूं कि मेरी सफेद शर्ट का रंग बदल दें, लाल कर दें। मेरे परिवार ने, गांधीजी ने मुझे सिखाया है कि अगर जीना है तो डरे बिना जीना है, नहीं तो जीना नहीं है। मैंने मौका दिया कि 4 दिन चलूंगा, बदल दो इस टी-शर्ट का रंग लाल कर दो। देखी जाएगा। मगर जो मैंने सोचा था, वही हुआ। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने मुझे हैंड ग्रेनेड नहीं दिया, अपने दिल खोलकर प्यार दिया। गले लगे। इससे पहले राहुल गांधी ने सोमवार को श्रीनगर के कांग्रेस कार्यालय में तिरंगा फहराकर भारत जोड़ो यात्रा का समापन किया। श्रीनगर सुबह से भारी बर्फबारी हो रही है।

"देश में जो राजनीति चल रही है, उससे देश का भला नहीं हो सकता। भाजपा की राजनीति देश को बांटती और तोड़ती है।

प्रियंका गांधी वाड्रा

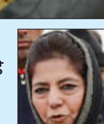

"मुझे उम्मीद है कि गोडसे की विचारधारा ने जम्मू-कश्मीर से जो छीन लिया, वह इस देश से वापस मिल जाएगा और राहुल गांधी में देश आशा की किरण देख रही है।

महबूबा मुफ्ती, पीडीपी नेता

विचारधारा की लड़ाई,मोहब्बत जीतेगी : राहुल

शाह और मोदी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि वे नफरत की भाषा बोलते हैं उन्होंने हिसा नहीं देखी हे। उनकी विचारधारा देश की नींव को हिलाने वाली है जबकि हम मोहब्बत से सबको एक करना चाहते हैं। उन्होंने जनता को अपनी यात्रा कों सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले राहुल गांधी ने पदयात्रा की समाप्ति के बाद विपक्षी एकजुटता से जड़े सवाल पर कहा था, विपक्षी एकता बातचीत और एक दृष्टिकोण के बाद आती है, यह कहना सही नहीं है कि विपक्ष बिखरा हुआ है, मतभेद हैं। उधर, राहुल यहां भी अलग रंग में दिखे। उन्होंने बहन प्रियंका के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाया।

रैली में नजर आए अब्दुल्ला व महबूबा

» मौसम की खराबी से कई लोग नहीं पहुंचे

समापन अवसर रैली में नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, भाकपा, आरएसपी, द्रमुक व आईएमएल ने भी भाग लिया। हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष ने 23 दलों को रैली में आने को न्यौता दिय था। पर जेडीयू, टीएमसी, एनसीपी, जदयू, सीपीएम, आरजेडी, सपा वहीं नहीं पहुंच पाई। नेशनल कांफ्रेंस के उमर अब्दुला और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती इस रैली में शामिल होने पहुंचीं। बर्फबारी ने श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया है और हवाई यातायात भी बाधित हुई है। ऐसे में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में यात्रा के समापन समारोह में पहुंचने वाले कई विपक्षी नेता शायद इसमें शामिल नहीं हो पाए।

मरते दम तक भाजपा के साथ नहीं जाऊंगा : नीतीश

» बोले- बापू क्या चाहते थे, ये किसी को नहीं भूलना है, बीजेपी कर रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में सियासी उठापटक की अटकलों के बीच सीएम नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा है कि उन्हें मर जाना मंजूर है लेकिन भाजपा में जाना अब कबूल नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा वाले इस बार हमारा ही वोट लेकर जीत गए और अब बोल रहे हैं।

बिहार में राजनीति पक्ष-विपक्ष की बयानबाजी से गर्म है। एक तरफ भाजपा ने साफ तौर पर जहां स्पष्ट कर दिया है कि नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे बंद हैं, तो वहीं अब नीतीश कुमार ने भी पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें मर जाना कबूल है, लेकिन अब भाजपा कबूल नहीं है। सोमवार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर सीएम ने पटना में कहा कि बापू तो सबको बचा रहे थे, सबको साथ लेकर चलते थे। इसलिए तो उनकी हत्या हुई।

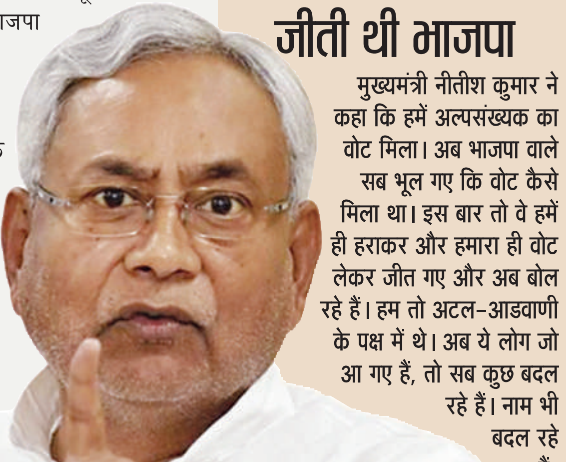

हमारा वोट लेकर जीती थी भाजपा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमें अल्पसंख्यक का वोट मिला। अब भाजपा वाले सब भूल गए कि वोट कैसे मिला था। इस बार तो वे हमें ही हराकर और हमारा ही वोट लेकर जीत गए और अब बोल रहे हैं। हम तो अटल-आडवाणी के पक्ष में थे। अब ये लोग जो आ गए हैं, तो सब कुछ बदल रहे हैं। नाम भी बदल रहे हैं।

जदयू से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं : सुशील मोदी

राज्यसभा सदस्य और भाजपा नेता सुशील मोदी ने रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू से अब भविष्य में कोई समझौता नहीं होने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और जदयू से किसी भी परिस्थिति में कोई समझौता नहीं करने का निर्णय भाजपा केंद्रीय नेतृत्व का है। इस निर्णय से पार्टी में अपने बूते सरकार बनाने का आत्मविश्वास मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बापू क्या चाहते थे, ये किसी को नहीं भूलना है। ये लोग (भाजपा) जितना भी भूलवाना चाहें, झगड़ा करवाना चाहें, भूलना नहीं है। हमें तो मर जाना कबूल है उनके साथ जाना कबूल नहीं है। भाजपा के साथ जाने का सवाल की पैदा नहीं होता। बापू तो सबको बचा रहे थे, सबको लेकर चलते थे इसलिए तो उनकी हत्या हुई। ये किसी को नहीं भूलना है, ये लोग जितना भी भूलवाना चाहें, झगड़ा करवाना चाहें भूलना नहीं है।

मुद्दों से जनता को बरगला रही मोदी सरकार : मायावती

मुगल गार्डन का नाम बदलने पर बरसीं बसपा सुप्रीमो

» बोलीं-धर्मांतरण, नामांतरण बायकाट व नफरती भाषणों का बोलबाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख व उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने मोदी सरकार पर आम जनता को बरगलाने का आरोप लगाया है। मायावती ने कहा कि सरकार द्वारा अपनी कमियों व विफलताओं पर पर्दा डालने का प्रयास किया जा रहा।

बुनियादी मुद्दों हवा में गायब हो गए हैं, उनकी जगह नाम बदलने का खेल किया जा रहा है। मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि कुछ मुट्ठी भर लोगों को छोड़कर देश की समस्त जनता जबरदस्त महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी के तनावपूर्ण जीवन से त्रस्त है। मायावती ने ट्वीट कर केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि राष्ट्रति भवन के मशहूर मुगल गार्डन का नाम बदलने से क्या देश के करोड़ों लोगों की ज्वलंत समस्याएं दूर हो जाएंगी। मायावती ने कहा कि आम जनता इसे भी सरकार द्वारा अपनी कमियों व विफलताओं पर पर्दा डालने का प्रयास ही मानेगी। मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि कुछ मुट्ठी भर लोगों को छोड़कर देश की समस्त जनता जबरदस्त महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी के तनावपूर्ण जीवन से त्रस्त है। इसके निदान पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय धर्मांतरण, नामांतरण, बायकाट व नफरती भाषणों आदि के जरिए लोगों का ध्यान बांटने का प्रयास घोर अनुचित व दुखद है। इससे पहले यूपी के पूर्व सीएम व बसपा प्रमुख मायावती ने कहा जनता का जो हाल कांग्रेस की सरकार में था वही हाल भाजपा सरकार में है। लोगों की क्रय शक्ति घट रही है। दूसरी तरफ सरकार जनता से महंगी जीएसटी वसूल कर रिकार्ड टैक्स बटोरने को ही अपनी सफलता मानकर चल रही है।

रामचरित मानस विवाद पर मिले हैं सपा-भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन पर रामचरित मानस का मुद्दा लगातार गरमाया हुआ है, बीजेपी और सपा के मध्य चल रहे वार-पलटवार के दौर के बीच मायावती ने भी टिप्पणी करके सूबे का सियासी पारा बढ़ा दिया है। बीएसपी चीफ ने अखिलेश यादव की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए इस पूरे प्रकरण को बीजेपी और सपा की मिलीभगत करार दिया है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म के आधार पर राजनीति करना बीजेपी की पहचान है लेकिन अब सपा भी उसी रास्ते पर है जोकि दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

हम रामचरितमानस के खिलाफ नहीं : अखिलेश

» योगीजी से सदन में पूछूंगा, मैं शूद्र हूं या नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रामचरितमानस पर विवादित बयान देने वाले सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर विरोध की राजनीति गरमाने लगी है। अब अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला है। अखिलेश ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री जी से सदन में पूछूंगा कि मैं शूद्र हूं कि नहीं हूं। इससे पहले भी उन्होंने कहा था कि बीजेपी और आरएसएस के लोग दलितों और पिछड़ों को शूद्र समझते हैं। इसे पहले मुद्दे को लेकर सपा मुखिया को हिंदू संगठनों ने काले झंडे दिखाए और उनके खिलाफ नारेबाजी की।

अखिलेश ने बीजेपी और आरएसएस पर करारा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, कि कल मैं मंदिर में दर्शन करने जा रहा था। क्या बीजेपी और आरएसएस ने 5-6 गुंडे भेजकर गुंडागर्दी नहीं की? अगर हमें पता होता कि चार-छह गुंडे आएंगे तो हम भी अपनी तैयारी से जाते। और जब काला झंडा समाजवादी लोग दिखाते हैं तो एक-एक साल जेल भेजते हो। समाजवादी कार्यकर्ता दो-दो साल जेल में रहे हैं। केवल सिद्धांत पर विरोध करने के लिए। अखिलेश ने इस घटना को रामचरितमानस विवाद से जोड़ते हुए कहा, कि मुख्यमंत्री जी अगर योगी न होते, धार्मिक स्थान से न आए होते, तो शायद यह सवाल मैं उनसे न पूछता लेकिन चूंकि वह योगी भी हैं और धार्मिक स्थान से उठकर सदन में आए हैं, तो मैं ये कहूंगा कि वो चौपाई एक बार हमें पढ़कर सुना दो।

चीन नीति पर मोदी सरकार बोल रही है झूठ : जयराम रमेश

» कहा-लद्दाख में 65 में 26 चौकियों पर भारत ने नियंत्रण खोया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर के हालिया हमले के खिलाफ विपक्ष ने केंद्र सरकार की चीन नीति पर फिर से पलटवार किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा है कि चीन मुद्दे पर मोदी सरकार 'DDLJ' यानी (इनकार करो), Distract(ध्यान भटकाओ), Lie(झूठ बोलो), Justify (न्यायोचित ठहराओ) की नीति अपना रही है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार का कोई भी झूठ इस तथ्य को नहीं छिपा सकता है कि दशकों में केंद्र सरकार ने भारत के सबसे बड़े क्षेत्रीय झटके को छिपाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, मई 2020 में लद्दाख में भारत ने 65 में से 26 चौकियों पर से अपना नियंत्रण खो दिया। उन्होंने विदेश मंत्री द्वारा चीन घुसपैठ पर दिए गए हालिया बयान को विफल चीन नीति से ध्यान हटाने का नवीनतम प्रयास करार दिया। दरअसल विदेश मंत्री ने कहा था कि भारतीय जमीन पर कब्जे की कोशिश 1962 में हुई थी, लेकिन विपक्ष इस तथ्य को छिपाता है और बताता ऐसे है कि जैसे कब्जा कल हुआ हो।

लोकतंत्र पर हमला करवा रही सरकार: पवार

» बीबीसी की डॉक्युमेंट्री पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर दी प्रतिक्रिया

» आगामी चुनावों में एकजुट होकर लड़ेगी महाविकास अघाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीबीसी की डॉक्युमेंट्री पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र के फैसले की आलोचना करते हुए एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया। हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) के साथ गठबंधन करने वाले वीबीए के एमवीए में शामिल होने के संबंध में पवार ने कहा, कोई प्रस्ताव नहीं है।

साथ ही उन्होंने दोहराया कि एमवीए आगामी चुनाव एकजुट होकर लड़ेगा। पवार ने कहा कि अगले सप्ताह नई दिल्ली में शुरू होने वाले संसद सत्र के साथ, सभी नेताओं के साथ एक राष्ट्रीय एकजुट विपक्षी मोर्चा बनाने के प्रयास फिर से शुरू होंगे। कोल्हापुर में एक कार्यक्रम के दौरान शरद पवार ने कहा, कि इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि राज्य चुनावों के बाद बीजेपी कर्नाटक में सत्ता बरकरार नहीं रखेगी। हम विपक्षी दलों को एकजुट करने और एक संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सभी राज्यों में अलग-अलग स्थानीय मुद्दे हैं, जिनसे निपटने की जरूरत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर टिप्पणी करते हुए पवार ने कहा कि इसने आम नागरिकों का समर्थन हासिल कर लिया है, जैसा कि उन्हें मिल रही प्रतिक्रिया से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कांग्रेस नेता (राहुल) की जो भ्रामक छवि बनाने की कोशिश की गई थी, उसे राष्ट्रव्यापी मार्च के माध्यम से तोड़ दिया गया है।

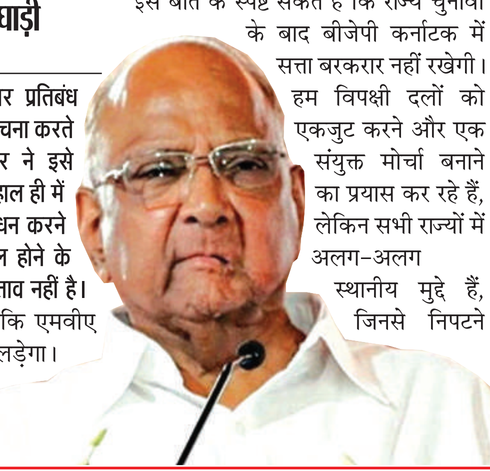

कर्नाटक विधानसभा चुनाव हार सकती है बीजेपी

एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि कर्नाटक सत्तारूढ़ बीजेपी के नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है। अगले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन हो सकता है। पवार ने कहा कि हाल ही में जनमत सर्वेक्षण के परिणामों से पता चला है कि जनता का मूड बीजेपी के खिलाफ जा रहा है और अगले चुनावों में इसे बड़ा झटका लग सकता है। लोग अब धार्मिक मुद्दों पर मतदान नहीं करेंगे। जनता को धार्मिक आधार पर विभाजित किया जा रहा है, जो अब काम नहीं करेगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

नीतीश के साथ फिर से हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं : जायसवाल

» पार्टी के कार्यकर्ता अफवाहों पर ध्यान न दें : बिहार भाजपा अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि हमने सीएम नीतीश कुमार के साथ फिर से हाथ मिलाने को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में अफवाहों को खत्म करने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री पेंडुलम की तरह हैं, लेकिन हम उनके हाथों फिर से धोखा खाने वाले नहीं हैं। इन दिनों यह अफवाह भी फैल रही है कि सीएम नीतीश और भाजपा फिर से एक साथ आ सकते हैं।

लेकिन इस दावे को भाजपा ने सिरे से खारिज कर दिया है। जायसवाल ने कहा कि पूरे राज्य के पार्टी कार्यकर्ताओं को साफ बता दिया गया है कि अलोकप्रिय मुख्यमंत्री से फिर से हाथ मिलाने का कोई सवाल ही नहीं है। जायसवाल ने दरगंभा में प्रदेश भाजपा की दो दिवसीय राज्य कार्यकारिणी की बैठक के समापन अवसर पर की। गौरतलब है कि जदयू ने पिछले साल भाजपा के साथ गठबंधन तोड़कर राजद व कांग्रेस के साथ सरकार बना ली थी।

अभी और गहराएगा चुनावी रंग

- राजनैतिक दलों के चुनावी बयान आने शुरू
- मुद्दे भी उछलने लगे, विवाद से भी चुनावी जंग की तैयारी
- उत्तर से दक्षिण तक के नेताओं ने कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे विधान सभा व लोक चुनावों की तारीखें नजदीक आएंगी वैसे-वैसे राजनैतिक दल अपनी-अपनी सियासी बातों में पैनापन लाते जाएंगे। चारों ओर चुनावी रंग दिखाई देने लगेगा। यह रंग आने वाले समय में और चटक व गहराएगा। अब कोई छोटा हो या बड़ा नेता सब चुनाव को नजर में रखकर ही बोलेगा। भाषणों में तो चुनावी मसाला होगा अब जो भी आयोजन होंगे उस पर भी चुनाव का असर दिखेगा। इसी चुनावी जंग में राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के बाद हाथ से हाथ जोड़ों यात्रा शुरू करने वाले है। वहीं अमित शाह कर्नाटक के दौरे पर निकल गए है।

सपा नेता अखिलेश यूपी में खाक छान रहे है। मायवती ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। दक्षिण से लेकर पूरब तक की पार्टियां व नेता घर में कम सड़क या सभाओं में ज्यादा नजर आ रहे हे। जो बड़े नेता है वो तो संभल कर बोल रहे हैं पर उन्हीं के पार्टी कुछ नेता ऐसी बात कर रहे जिससे विवाद बढ़ रहा। विवाद ऐसा कि सत्ता पक्ष से विपक्ष भी उसको लपक कर अपने-अपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है।

शाह के दौरे से विधानसभा चुनाव में लाभ : बोम्मई

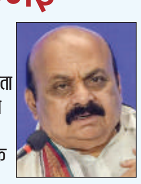

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी यात्रा राज्य में भाजपा की चुनावी तैयारियों को गति देगी। सीएम ने कहा कि जब भी कोई चुनाव होता है तो शाह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे पहले, उन्होंने दक्षिण कर्नाटक में मांड्या का दौरा किया था और अब कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में हैं। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर भाजपा अपने विस्तार के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं के राज्य के दौरे का लाभ उठाना ही चाहेगी। बोम्मई ने कहा कि हम राज्य की भलाई के लिए उनके प्रभाव का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि नेताओं को अपना सोचने की जगह यह सोचना चाहिए कि पार्टी का विकास सबसे महत्वपूर्ण है और सभी को इसके लिए प्रयास करना चाहिए। अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह धारवाड़ और बेलागवी शहरों में एक मेगा रोड शो और सार्वजनिक रैलियों सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। अमित शाह अगले महीने हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र का दौरा करेंगे और केंद्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। बता दें कि भाजपा कर्नाटक के आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अपनी रणनीति बनाने में जुटी है। शाह का यह दौरा भी उसी सिलसिले में माना जा रहा है। पार्टी ने जनता को जोड़ने के लिए शाह के लिए डेढ़ किलोमीटर तक एक मेगा रोड शो आयोजित किया है।

कांग्रेस को गठबंधन का आधार बनना होगा : जयराम रमेश

वरिष्ठ नेता जयराम नरेश ने कहा कि 2024 के आम चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस को किसी भी विपक्षी गठबंधन का आधार बनना होगा। कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि उनके विचार से कांग्रेस को 2029 के आम चुनाव में हर राज्य में अपने दम पर लड़ने की तैयारी करनी चाहिए। वह निश्चित रूप से इस साल गुजरात के पोरबंदर से अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड तक एक और यात्रा करने के लिए अपनी बात रखेंगे, लेकिन पार्टी को अंततः इस पर फैसला करना होगा। जयराम नरेश ने कहा कि हालांकि मैंने इसके बारे में सोचा है, लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि पार्टी इस तरह की यात्रा करेगी या नहीं। जयराम रमेश और दिग्विजय सिंह को ही कन्याकुमारी से कश्मीर भारत जोड़ो यात्रा के पीछे का मास्टरमाइन्ड माना जाता है जो 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त होगी। उदयपुर में जब भारत जोड़ो यात्रा की योजना बनाई गई थी तो आदर्श रूप से पश्चिम से पूर्व की ओर जाने का भी विचार था। रमेश ने दावा किया कि भाजपा सत्ता में हो सकती है लेकिन उपस्थिति के मामले में कांग्रेस एकमात्र राष्ट्रीय राजनीतिक ताकत है। हो सकता है कि हम एक के बाद एक राज्य में सत्ता में न हों, लेकिन अगर आप हर गांव, मुहल्ले, ब्लॉक, कस्बे, शहर में उपस्थिति देखेंगे, तो आपको कांग्रेस कार्यकर्ता व परिवार मिल जाएंगे।

अब धार्मिक मुद्दों पर वोट नहीं करेंगे लोग : पवार

कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीतियों पर काम शुरू कर दिया है। इसी बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने दावा किया कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता बरकरार नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि हम विपक्षी दलों को एकजुट करने और एक संयुक्त मोर्चा तैयार करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं, लेकिन सभी राज्यों में अलग-अलग स्थानीय मुद्दे हैं। पवार ने एक जनमत सर्वे का हवाला देते हुए बताया कि भाजपा के खिलाफ जनता ने अपना मन बना लिया है। ऐसे में अगले चुनाव में उन्हें (भाजपा) बड़ा झटका लग सकता है। लोग अब धार्मिक मुद्दों पर मतदान नहीं करेंगे। जनता को धर्म के आधार पर बांटा जा रहा है, जो अब नहीं चलेगा। इसी बीच पवार ने भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि इस यात्रा ने जनता का समर्थन हासिल कर लिया है और इसे मिल रही प्रतिक्रियाओं से देखा जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देशव्यापी यात्रा के दम पर पार्टी नेता (राहुल गांधी) की भ्रामक छवि को सुधारा है। वंचित बहुजन अगाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अम्बेडकर के सीबीआई, ईडी वाले बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है और लोगों के अधिकारों को कुचला जा रहा है। महाविकास अघाड़ी से जुड़े सवाल पर पवार ने कहा कि आगामी चुनाव में एमवीए एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा। अगले सप्ताह से नई दिल्ली में शुरू होने वाले संसद सत्र के साथ ही सभी नेताओं के साथ मिलकर विपक्षी मोर्चा बनाने की कोशिश फिर से शुरू की जाएगी। मैं व्यक्तिगत रूप से कई विपक्षी नेताओं के संपर्क में हूं।

लोस चुनाव : यूपी में अखिलेश-माया-योगी होंगे धूरी

- सपा-बसपा व भाजपा मे हो सकता है त्रिकोणीय मुकाबला
- कांग्रेस को करनी होगी कड़ी मेहनत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश के सियासी दल जुट गए है। भारतीय जनता पार्टी हो या फिर समाजवादी पार्टी अथवा बसपा-कांग्रेस सब रणनीति बनाने में लगे हैं। 2024 के आम चुनाव के लिए बसपा ने एकला चलो का ऐलान किया है। यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव त्रिकोणीय हाने के आसार बन गए हैं। इसके अलावा कांग्रेस के वर्चस्व वाली कुछ सीटों जैसे रायबरेली, अमेठी में मुकाबला चौतरफा भी हो सकता है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 भी कांग्रेस और बसपा के लिए मुश्किलों भरा रहा। उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बनाने वाली बसपा केवल 12.88 फीसदी वोट ही हासिल कर पाई। पार्टी को केवल एक सीट पर जीत मिली। विधानसभा में विलुप्त होने से तो पार्टी बच गई, लेकिन आधार वोट खो दिया। बसपा ने एकला चलो का फैसला तब लिया है जबकि 2014 के चुनाव में बसपा का वोट बैंक सिकुड़ा और पार्टी राज्य की सत्ता वर्ष 2012 में गंवाने के बाद लोकसभा से साफ हो गई। मायावती ने इस चुनाव में पूरा जोर लगाया। लेकिन, भाजपा के ब्रांड मोदी के आगे न मायावती टिकीं और न ही सत्ताधारी समाजवादी पार्टी कुछ कर पाई थी। इस चुनाव में भाजपा गठबंधन यानी एनडीए ने 73 सीटों पर जीत दर्ज की। 5 सीटें सपा और 2 सीटें बसपा के पाले में गई। पार्टी को चुनाव में 19.60 फीसदी वोट ही मिले। 22 से 25 फीसदी वोट बैंक की राजनीति करने वाली मायावती का आधार वोट खिसका। इसके बाद से बसपा संभल नहीं पाई है। इस दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे नेताओं ने भाजपा का दामन थामा तो ओबीसी वोट बैंक मजबूती के साथ भाजपा से जुड़ गया। भाजपा में गए तो दलित और अति पिछड़े वर्ग के वोटरों को एक नया ठिकाना दिखा। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखा। बसपा को 22.24 फीसदी वोट तो मिले, लेकिन पार्टी सिर्फ 19 सीटों पर सिमट गई। इसके बाद एक बार फिर 26 साल बाद 2019 के लोकसभा चुनाव के समय सपा और बसपा का गठबंधन हुआ। यूपी की राजनीति में कल्याण सिंह और राम मंदिर मुद्दे की हवा निकालने वाली मुलायम सिंह यादव और कांशीराम की जोड़ी की दोनों पार्टियां एकजुट हुई। 2019 के चुनाव में इसका असर दिखा। 2014 के लोकसभा चुनाव में 71 सीट जीतने वाली भाजपा 62 सीटों पर आई। एनडीए ने कुल 64 सीटें जीतीं। यानी, 5 साल में 9 सीटों का नुकसान। फायदे में मायावती की बसपा रही। पार्टी ने सपा से गठबंधन का फायदा उठाते हुए 10 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, सपा 5 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई। कांग्रेस घटकर एक सीट पर पहुंच गई। वर्ष 2019 के चुनाव में बसपा का वोट शेयर सपा से गठबंधन के बाद भी 19.3 फीसदी रहा। सपा 18 फीसदी वोट शेयर के साथ तीसरे स्थान पर रही। कांग्रेस 6.31 फीसदी वोट शेयर ही हासिल कर पाई। भाजपा ने 49.6 फीसदी वोट शेयर के साथ प्रदेश की राजनीति पर अपना दबदबा दिखाया।

इसके बाद प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 भी कांग्रेस और बसपा के लिए मुश्किलों भरा रहा। प्रदेश में चार बार सरकार बनाने वाली बसपा केवल 12.88 फीसदी वोट ही हासिल कर पाई। पार्टी को केवल एक सीट पर जीत मिली। विस में विलुप्त होने से तो पार्टी बच गई, लेकिन आधार वोट ही खो दिया।

विपक्ष को मजबूती दे रही है सपा

बात समाजवादी पार्टी की की जाए तो अभी तो उत्तर प्रदेश में विपक्ष की राजनीति का चेहरा समाजवादी पार्टी ही बनी हुई है, उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी अपना वर्चस्व बना पाती है तो निश्चित तौर पर सपा इसे अगले लोकसभा चुनाव के मैदान में आजमा सकती है। वहीं बसपा दलित मुसलमान वोटों के सहारे अपने पक्ष में बाजी करने की कोशिश करेगी। भाजपा को सबसे अधिक भरोसा अपने हिंदू वोटरों पर है परंतु व अन्य वोटरों को भी नाराज नहीं करना चाहती है।

बर्क के बयान के अलग मायने

इस बीच सपा सांसद डॉ. बर्क ने एक बयान में बसपा सुप्रीमो मायावती को मुसलमानों का हितैषी करार देकर हलचल मचा दी है। बर्क के बयान के बाद लोगों की नजर उनके अगले कदम पर है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर डॉ. बर्क हाथी पर सवार होते हैं तो यह मायावती के लिए बढ़त वाली बात होगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बसपा को एक और बड़ा मुस्लिम चेहरा मिल जाएगा। बसपा मुसलमानों को साध कर जितनी मजबूत होगी, सपा को उतना ही नुकसान उठाना पड़ सकता है। हालांकि, मायावती को इसके बाद भी एक ऐसे साथी की जरूरत है, जो वोट बैंक को उनकी तरफ ट्रांसफर कराए। यह साथी ब्राह्मण भी हो सकते हैं क्योंकि योगी सरकार में ब्राह्मणों को लगता है उनके साथ इंसाफ नहीं होता है। कांग्रेस यूपी में ब्राह्मण, ओबीसी और मुस्लिम वोट बैंक पर अपनी पकड़ रखती थी। इनके सहारे सत्ता की सीढ़ी चढ़ने की कोशिश करती थी। मायावती ने बहुजन वोट बैंक पर फोकस किया है। ऐसे में वह कांग्रेस के सहारे सवर्ण वोट बैंक को साधने की कोशिश कर सकती है। इन वोटों को गठबंधन के सहारे एक-दूसरे को ट्रांसफर कराने का प्रयास होगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कब रुकेंगे ऐसे हादसे !

> **मिराज 2000 एक फ्रांसिसी लड़ाकू विमान है और इसकी तकनीकी जानकारी लेकर भारत ने इसको निर्यात किया है। विमान की खासियत यह है कि विमान 13800 किलो गोला बारूद के साथ करीब 2336 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से उड़ सकता है। मिराज 47 फीट लंबा होता है और यह 7500 किलो का भारी भरकम विमान है। मिराज 125 गोलियां और 18 रॉकेट एक मिनट में दाग सकता है।**

वायु सेना के सबसे उम्दा फाइटर प्लेनों में शूमार सुखोई-30 और मिराज-2000 दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इतने अच्छे लड़ाकू विमानों का इस तरह से दुर्घटना का शिकार होना उनके रख-खाव पर सवालिया निशान लगाते हैं। हालांकि सेना के जानकारों के अनुसार सुखोई-30 और मिराज दोनों में एक साथ तकनीकी खामी आना नामुमकिन है। हो सकता है कि वे कोई ड्रिल कर रहे हों और किसी एक के अंदर गड़बड़ी आ गई हो और वह दूसरे के साथ क्रैश हो गया हो। अब क्रैश की वजह तो ब्लैक बॉक्स से ही पता चलेगी। लड़ाकू विमानों का इस तरह से हादसे में मलबे में बदल जाना नई बात नहीं है इससे पहले भी मिग या अन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। हर बार संबंधित जिम्मेदार हादसों का ठीकरा विमान पर ही फोड़ देते हैं। फिर सेना जांच बिठाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती है। जांच की रिपोर्ट कब आती है या ठंडे बस्ते में चली जाती पता ही नहीं चलती। मामला शांत हो जाता है सब अपने-अपने काम में लग जाते हैं। बात फिर तब उठती है जब कोई सेना का विमान हादसे का शिकार हो जाता हैं।

मध्य प्रदेश के मुरैना में वायुसेना के दो विमान सुखोई-30 और मिराज-2000 दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं। जानकारी के अनुसार दोनों लड़ाकू विमान ग्वालियर एयरबेस से रवाना हुए थे और अभ्यास कर रहे थे। हादसा करीब सुबह 9 बजे हुआ। हादसा पहाड़गढ़ से करीब पांच किमी दूर हुआ है। बता दें कि दोनों लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना का एक अहम हिस्सा माने जाते हैं। मिराज ने तो करगिल युद्ध और पाकिस्तान पर 2019 में की गई सर्जिकल स्ट्राइक में अहम भूमिका निभाई थी। सुखोई भी कम नहीं है। यह चौथी पीढ़ी का लड़ाकू विमान है। सुखोई को रूस के सैन्य विमान निर्माता कंपनी सुखोई तथा भारत की हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड के सहयोग से बनाया गया है। सुखोई के एयरोडायनामिक इंजन के चलते यह 2100 किमी प्रतिघंटे से भी तेज रफ्तार से उड़ सकता है। यह 1 मिनट में 150 राउंड फायर कर सकता है। इसकी सबसे मुख्य खासियत यह है कि ये हवा में ही इंधन भर सकता है। सुखोई ब्रह्मोस समेत कई मिसाइलों और लेजर बमों को लेकर उड़ान भर सकता है। विदेशी सहायता से बने इतने उम्दा विमानों की उम्र भी बहुत हो गई है। सेना को चाहिए एकबार इन विमानों की फिर समीक्षा की जाए। जो विमान उपयोग में लाने लायक हो वही अभ्यास में प्रयोग हों। जो खराब हो गए हों उन्हें हटा देना चाहिए। साथ ही रक्षा मंत्रालय को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि जिम्मेदार लोग इन घटनाओं के लिए जवाबदेह हों। वहीं हादसों के बाद जांच की रिपोर्ट सार्वजनिक होनी चाहिए। जांच के बाद जिम्मेदारों को ऐसी सजा भी मिलनी चाहिए ताकि अन्य लोग सबक लें सकें ।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मध्यम वर्ग व करदाताओं की बजट से उम्मीदें

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों एक फरवरी को केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए जाने वाले आगामी वित्त वर्ष 2023-24 के बजट की ओर देश के छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं। उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री नये बजट के माध्यम से इस वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकती हैं।

बीते दिनों एक कार्यक्रम में वित्तमंत्री ने कहा था कि मैं भी मध्यम वर्ग से ताल्लुक रखती हूं, इसलिए मध्यम वर्ग के दबाव को समझ सकती हूं। चूंकि पिछले वर्ष 2022-23 के बजट में इस वर्ग को कोई बड़ी राहत नहीं मिली थी और अब महामारी के कारण दो साल की मंदी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था रिकवरी के रास्ते पर चल पड़ी है, साथ ही पिछली कुछ तिमाहियों में कर संग्रह में लगातार बढ़ोतरी भी देखी गई है। इसके साथ-साथ इस बार का बजट लोकसभा चुनाव 2024 के पहले का आखिरी पूर्ण बजट है। ऐसे में सरकार द्वारा आगामी बजट में टैक्स का बोझ कम करने के लिए प्रोत्साहन सुनिश्चित किए जा सकते हैं। नि:संदेह केंद्रीय बजट 2023-24 के तहत छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग की मुश्किलों के बीच आयकर के नये प्रारूप वाले टैक्स स्लैब के पुन: निर्धारण की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। वर्तमान में वित्त मंत्रालय 2.5 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 5 फीसदी टैक्स लागू करता है। जबकि, 5 लाख से 7.5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 10 फीसदी और 7.5 लाख से 10 लाख रुपये तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स लागू होता है। इसी तरह 10 लाख रुपये से 12.5 लाख रुपये की आय पर 20 फीसदी टैक्स लगाया जाता है। 12.5 लाख से 15 लाख रुपये पर 25 फीसदी और 15 लाख रुपये से ऊपर की कुल आय पर 30 फीसदी टैक्स दर लागू होती है। जो आयकरदाता आयकर के पुराने स्लैब को अपनाए हुए हैं उनके लिए विभिन्न टैक्स छूटों में वृद्धि की जानी जरूरी है। दरअसल, मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये की छूट मिलती है।

इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 1.50 लाख की छूट पर्याप्त नहीं है। कोई व्यक्ति 1.50 लाख की छूट यदि होम लोन के मूलधन पर ले लेता है तो उसके पास अन्य जरूरी निवेश पर छूट लेने का विकल्प नहीं बचता है। अतएव धारा 80सी के तहत कर छूट की सीमा को बढ़ाकर तीन लाख रुपये किया जाना उपयुक्त होगा। आयकर अधिनियम की धारा 80सी की सीमा बढ़ाने से सबसे ज्यादा फायदा छोटी बचत योजनाओं, बीमा पॉलिसी खरीदारों, म्यूचुअल फंड निवेशकों, लोनधारकों के निवेशकों और वरिष्ठ नागरिकों को होगा। पिछली बार वित्त वर्ष 2014-15 में इस सीमा को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये किया गया था। तब से इस कटौती सीमा को नहीं बदला गया है। इसी तरह सरकार द्वारा इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत कर कटौती की सीमा को बढ़ाना चाहिए। अभी इस धारा के तहत 25,000 रुपये तक के प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन क्लेम किया जा सकता है। इसमें पति/पत्नी, बच्चों समेत खुद की पॉलिसी पर जमा किया गया प्रीमियम शामिल होता है। अगर माता/पिता वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में आते हैं और उनका प्रीमियम भरते हैं तो 50,000 रुपये तक का टैक्स छूट क्लेम कर सकते हैं। वृद्धावस्था में चिकित्सा व्यय में काफी बढ़ोतरी हुई है। बढ़ती महंगाई और उच्च स्वास्थ्य व्यय के बीच विशेष रूप से घातक कोविड-19 महामारी के बाद वरिष्ठ नागरिकों को कुछ और कर राहत मिलनी चाहिए। वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम की कटौती को मौजूदा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये किया जाना उपयुक्त होगा। चूंकि अभी भी स्वास्थ्य संबंधी

बढ़ती चुनौतियों के बीच देश में स्वास्थ्य बीमा अधिक चलन में नहीं है और अधिकतर लोगों के स्वास्थ्य बीमे का कवर अस्पताल के खर्चे से निपटने के लिए भी पर्याप्त नहीं है। ऐसे में सरकार के द्वारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स छूट को बढ़ाना चाहिए ताकि टैक्सपेयर्स हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर प्रेरित हों।

80डी में कर छूट सीमा को बढ़ाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सीमा बढ़ाये जाने से लोगों को स्वास्थ बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। स्वास्थ्य बीमें को सस्ता किया जाना भी जरूरी है। इस पर 18 फीसदी जीएसटी है जिसे कम करने की जरूरत है। उम्मीद करें कि वित्तमंत्री सीतारमण वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करके करदाताओं व मध्यम वर्ग को राहत देंगी, जिसमें इस वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ेगी, नई मांग का निर्माण होगा और अर्थव्यवस्था गतिशील होगी।

गांव-स्वराज के संकल्प का विस्तार

पंकज चतुर्वेदी

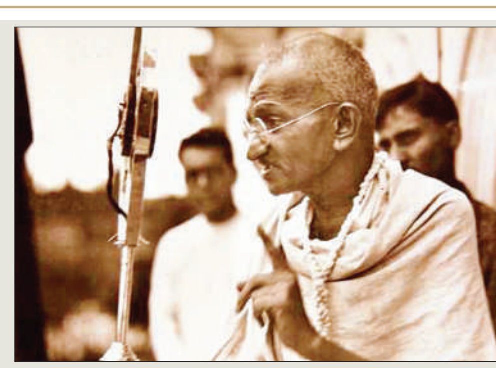

न कोई मंच, न अतिथि, न माला या स्वागत गांव के किसी मंदिर में, कस्बे के किसी चबूतरे पर या किसी के घर के आंगन में या फिर खुले मैदान में कभी बीस तो कभी 200, कभी उससे भी ज्यादा लोग एकत्र होते हैं। रघुपति राघव राजा राम के गान से सभा शुरू होती है और फिर विमर्श खेती के संकट, गरीबी, महंगाई, गुस्से की पटरी पर उतर आता है। इन बैठकों को नाम दिया गया है गांधी चौपाल। इसमें शामिल लोग खादी की सफेद टोपी अवश्य लगाते हैं। गांधी का स्वावलम्बन का सिद्धांत क्या था और आज भी वह क्यों प्रासंगिक है? रोजगार या कुटीर उद्योग कैसे शुरू करें? शिक्षा क्यों जरूरी है? कुछ व्यक्तियों के हाथों में देश की अधिकांश सम्पदा आ जाने के क्या नुकसान हैं? ऐसे ही सवाल और जवाब चलते हैं और केंद्र होता है आज की विषम परिस्थिति में महात्मा गांधी का गांव स्वराज कैसे अनिवार्य है?

पिछली दो अक्टूबर से मध्य प्रदेश के गांवों में गांधी विमर्श का यह स्वरूप लोगों को बहुत भा रहा है। यह सच है कि इसकी परिकल्पना करने वाले लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता भूपेन्द्र अगम, कांग्रेस से जुड़े हैं और गांधी चौपाल को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ इस तरह के चौपाल आयोजन में नीति बनाने से लेकर क्रियान्वयन तक सीधे शामिल हैं, लेकिन यह अनुशासन स्थापित रखना कोई कम नहीं है कि इस तरह के आयोजनों में किसी नेता या राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध की तकरीर, नारे, प्रशस्ति आदि होती नहीं केवल और केवल गांधी की बातें हैं। इसमें भजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, देशभक्ति व स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित लघु फिल्मों का प्रदर्शन, स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास पर चर्चा, वर्तमान राजनीतिक स्थिति, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा होती है। महंगाई और बेरोजगारी पर आमजन से बात की जाती है।

दो अक्टूबर, 22 को भोपाल के करीब मुगलिया छाप के बम्होरी से जब यह गांधी चौपाल शुरू की गई तो पता चला कि इस गांव में तो बिजली ही नहीं है। विधायक पीसी शर्मा के फंड से खम्भे लगे और वहां बिजली जगमगा गई। पहली बार गांव वालों को भी लगा कि गांधी बाबा के जरिये अपनी मांग भी पूरी हो सकती है। आमतौर पर गांवों में चौपाल के बाद सामाजिक कार्यकर्ता बस्ती का चक्कर लगाते हैं, जो लोग सभा में नहीं आए, उनसे मिलते हैं, गांव-मोहल्ले की समस्याओं का आकलन करते हैं और उनके निराकरण के लिए लिखा-पढ़ी भी। इसका असर भी दिख रहा सिंगरोली में चौपाल से जानकारी मिली कि वहां छह महीने से राशन नहीं देखा और एक साथ दस्तखत करवा कर महज एक महीने का राशन दिया। मध्य प्रदेश में अभी तक 17 हजार गांधी चौपाल लग चुकी हैं और इससे कई लाख लोग जुड़े चुके हैं। कुछ लोग तो इतने दीवाने हैं कि उनकी कार में गांधी बाबा की एक तस्वीर, एक दरी और ढोलक रखी ही रहती है। रास्ते में जहां दो-पांच लोग दिखे, वे रघुपति राघव का गायन शुरू कर देते हैं। लोगों के करीब आने पर उन्हें गांधी के किस्से, कहानी, गांधी की आज जरूरत आदि पर बात करते हैं।

प्रदेश के सबसे कम उम्र में विधायक नीरज दीक्षित ने तो इन बैठकों के जरिये आम लोगों की दिक्कतों को सीधे सुनने और अपने वेतन का धन लगा कर उनके निराकरण का संकल्प ले लिया है। ऐसी सभाओं में एकत्र लोगों के मोबाइल का रिकार्ड रखा जाता है और अब इन्हें नियमित रूप से गांधी से जुड़ा साहित्य, संदेश, भाषण आदि व्हाट्सएप पर भेजा जा रहा है। इससे एक नया विश्वास भी जाग्रत हुआ है। कुछ जगहों पर आपसी झगड़ों का निराकरण बगैर पुलिस-कचहरी के गांधी के चित्र के सामने हो गया। गांधी जी ने गांवों की तीन बीमारियों को इस तरह बताया, पहला सार्वजनिक स्वच्छता की कमी। दूसरा पर्याप्त और पोषक आहार की कमी। तीसरा ग्रामवासियों की जड़ता। यही नहीं, गांवों को इन बीमारियों से निजात दिलाने के लिए वो शहरवासियों का सहयोग भी जरूरी समझते थे। दरअसल, गांधी जी स्वतंत्र भारत को आत्मनिर्भर गांवों का महासंघ बनाना चाहते थे। उनका कहना था कि हम ऊंची ग्राम सभ्यता के उत्तराधिकारी हैं। हमारे देश की विशालता, आबादी की विशालता और हमारी भूमि की स्थिति तथा आबोहवा ने मेरी राय में मानों यह तय कर दिया है कि भारत सभ्यता ग्राम सभ्यता होगी।

पहले यह अभियान 30 जनवरी, 23 तक चलाया जाना था, लेकिन अब इसके प्रति लोगों की जिज्ञासा को देखकर इसे अगले दो अक्टूबर तक विस्तार दिया जा रहा है। अगले चरण में ई-चौपाल पर अधिक जोर दिया जाएगा ताकि शहरी, युवा और तकनीकी-प्रेमी लोगों को घर बैठे गांधी विमर्श से जोड़ा जा सके, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल मीटिंग प्लेटफार्म पर देश के जाने-माने गांधीवादियों को आमंत्रित किया जायेगा। गांवों में गांधी की आत्मा को जीवंत रखने के इस प्रयोग पर राजनीति के भी आक्षेप हैं। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के लोग इस बहाने दूरस्थ अंचल तक अपनी टीम बना रहे हैं। हालांकि गांधी को वोट की राजनीति से ऊपर रखना चाहिए, फिर भी यदि कोई गांधी की नीति का प्रसार कर सियासत कर रहा है तो यह देश के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक कदम होगा।

रेगिस्तान के खूबसूरत सम

राजस्थान के रंग और संस्कृति बहुत ही रंगबिरंगी और खूबसूरत है। यहां देखने और भ्रमण करने लायक कई जगहें हैं लेकिन इनमें सबसे अनूठी और अद्भुत जगह है सम यानी जैसलमेर के करीब का वह इलाका जहां दूर दूर तक रेगिस्तान बाहें पसार कर आपके लिए पधारो म्हारे देस गाता है। ऐसी रेत जो जितनी जल्दी आपसे नाता जोड़ती है, उतनी ही आसानी से आपसे अलग भी हो जाती है। जैसे कह रही हो, भौतिकता का मोह छोड़ कर प्रकृति से नाता जोड़ो, उसी में सुख है। यह आश्चर्य है कि यह रेत कपड़ों पर चिपकती नहीं। इस रेत का अपना अलग अंदाज है जो आपको राजस्थान के इस रूखे-सूखे इलाके के प्रेम में डाल देता है। यहां आप राजस्थान की रंगीली लोककथाओं से भी रूबरू होते हैं और सीमा पर डटे सिपाहियों की वीरता के किस्सों से भी।

हवेलियों से गुलजार गलियां

ऐतिहासिक तौर पर पूरे राजस्थान में कई सारे स्थान हैं जो रोमांच जगाते हैं। इनमें ही शामिल है जैसलमेर। हवेलियों के भरे इस शहर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यह नाम इस शहर में बने पीले रंग के पत्थरों से बनी हवेलियों व अन्य निर्माणों के लिए दिया गया है। शहर की गलियों से गुजरते हुए कई छोटी-बड़ी हवेलियां आपके स्वागत के लिए मुस्कुराती मिलेंगी। अंदर जाने पर खूबसूरत नक्काशी से सजे झरोखे और ऊंची खुली छत से झांकता आसमान आपका मन मोह लेगा। इन हवेलियों के बाहर और रास्ते में भी आपको राजस्थानी लोक कलाओं से सजी कई छोटी-छोटी दुकानें मिलेंगी जहां से आप कठपुतली से लेकर दुपट्टे, स्टोल या कोई आर्ट पीस आदि खरीद सकते हैं। यहां का म्यूजियम कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का साक्षी है। यदि आप इतिहास में रूचि रखते हैं तो यह आपके लिए शानदार ट्रीट होगी।

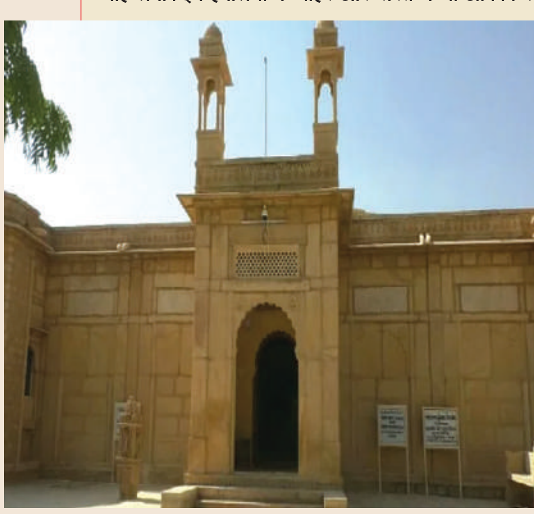

जैसलमेर का देखें सुनहरा किला

राजस्थान देश के सभी बड़े शहरों और मार्गों से जुड़ा हुआ है। जैसलमेर तक पहुंचने के लिए भी हवाई जहाज, ट्रेन, बस या टैक्सी आदि किसी भी साधन को चुना जा सकता है। यदि आप कोई टूर पैकेज चुनते हैं तो वे आपको यात्रा से लेकर ठहरने व साइट सीइंग, सम की यात्रा तक के लिए ऑफर दे सकते हैं। आमतौर पर इनका किराया ढाई हजार से 5 हजार रूपये तक हो सकता है। यह दी जा रही सुविधाओं और टेंट के प्रकार पर निर्भर करता है। चाहें तो यहां आकर अलग से भी कैमल राइड और अन्य सुविधाएं ले सकते हैं। चूंकि इस इलाके में पर्यटकों की अक्सर भरमार रहती है इसलिए होटल, लॉज आदि काफी संख्या में हैं, लेकिन प्री बुकिंग जरूरी है ताकि दिक्कत न हो। ठहरने के अलावा खान-पान की भी सुविधाएं अच्छी हैं क्योंकि राजस्थान वैसे भी अपने तीखे-चटपटे स्वाद के लिए जाना जाता है।

रेत के टीलों तक सफर

जैसलमेर से सम सैंड ड्यून्स यानी रेतीले टीलों तक का सफर करीब 40-45 किलोमीटर का है। आप चाहें तो जैसलमेर में रुक कर सम जाकर वापस अपने ठिकाने पर आ सकते हैं या फिर सम में ही कैम्प नाइट और रुकने की सुविधा का विकल्प चुन सकते हैं। यदि आप जैसलमेर में रुकने का विकल्प चुनते हैं तो भी आपको सम तक पहुंचने के लिए जीप, टैक्सी या टू व्हीलर किराए से लेनी होगी। रेगिस्तान के टूर के लिए भी ऊंट या जीप की सवारी का विकल्प होता है। यदि आप सम में ही कैम्प या टेंट वाली सुविधा के साथ रुके हैं तो यहां पर पैकेज के अंतर्गत जीप और ऊंट की सवारी फ्री भी मिल सकती है। इसके अलावा अलग अलग पैकेज के हिसाब से रुकने, ब्रेकफास्ट, लंच व डिनर तथा कल्चरल एक्टिविटीज जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं।

राजस्थानी संस्कृति जानने का मौका

जाहिर है कि गर्मी के दिनों में तो रेगिस्तान में जाने की बात भी कोई सोच नहीं सकता। यहां आने के लिए अक्टूबर से फरवरी तक का समय सबसे अच्छा है लेकिन फरवरी और मार्च में होली तक का समय भी अच्छा है। इस समय यहां त्यौहार की रौनक भी देखी और महसूस की जा सकती है। साथ ही आप राजस्थानी संस्कृति को और करीब से जान समझ सकते हैं। मार्च के शुरुआती हफ्ते के बाद गर्मी बढ़ने लगती है, इसलिए इसके बाद यहां घूमने में दिक्कत हो सकती है। सम के अलावा जैसलमेर में खूबसूरत किले, हवेलियों, मंदिरों आदि का भ्रमण भी किया जा सकता है। ऊंट पर सवारी करते समय ही टूर गाइड आपको उस सीमा के नजारे दिखाएंगे जो भारत-पाकिस्तान के बीच स्थित है। यहां खड़े रहकर ही एक अलग से जोश का एहसास होता है और सीमा की रखवाली कर रहे अपने वीर सैनिकों के लिए मन में सम्मान और बढ़ जाता है।

हंसना मना है

लड़की: परसो मै तुम्हे राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यू? लड़का: अगर में तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊ तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा: मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

बंता: तेरे घर से हमेशा हसने कि आवाज आती हे, इतनी खुशी का राज़ क्या हे?

संता: मेरी बीवी मुझे जूते मारती हे, लग जाये तो वो हसती हे, नहीं लगे तो में हंसता हुं!

1 बार गांधी जी के सर पे 8-10 बाल आये, वो बार्बर के पास गए, बार्बर ने गुस्से से पूछा कट करू या काउंट करू? बापू नम्रता से बोले कलर इट डूड।

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज 1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट क्यों के, इस सिमेंट में जान है!

कहानी

मेंढक और चूहा

एक जंगल में एक जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहता था। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा कि मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे मैं ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' चूहे ने जवाब दिया कि अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोस्ती होते ही दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। चूहे को पानी में लाने की मेंढक को एक तरकीब सूझी। मेंढक ने चूहे से कहा कि दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरे की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा कि हां जरूर, लेकिन हम ऐसा करेंगे क्या?' मेंढक बोला कि एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब देख रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। मेंढक को पहले तो समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मेष राशि वालों के लिए आर्थिक प्रगति का दिन है। मित्र के माध्यम से पुराने धन की प्राप्ति होगी। किसी विशेष कार्य के होने से प्रसन्नता का अनुभव होगा।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है क्योंकि आप अपने दिन को बेहतर बनाने में अपनी ओर से कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे। आपका काम दूसरों को प्रेरणा देगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप जो भी काम हाथ में लेंगे, वो जरूर पूरा होगा। काम की गति बनी रहेगी, आप खुद को रिलेक्स फील करेंगे।

कर्क

आपको कार्यक्षेत्र की सक्रियता के बेहतर परिणाम मिलेंगे। यदि आप जॉब की तलाश में हैं तो सफलता मिलने की प्रबल सम्भावना है। महिलाओं को मायके से अच्छे समाचार मिलेंगे।

सिंह

आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। मानसिक रूप से आप काफी खुश और मजबूत रहेंगे। मन में प्रसन्नता होगी। हर्ष रहेगा और प्रेम की भावना रहेगी।

कन्या

आज आपकी एनर्जी अच्छी रहेगी। इसका इस्तेमाल किसी अच्छे काम में लगा सकते हैं। इससे फायदा होगा। नौकरी करने वाले काम को लेकर पूरी तरह से अलर्ट रहेंगे।

तुला

आपके घर में किसी शुभ प्रसंग के आयोजन की संभावना है। आपके बच्चे भी घर में खुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। बेवजह किसी से विवाद हो सकता है।

वृश्चिक

आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। परिवार में खुशी के पल आएंगे। आप अपने परिवार के लोगों के साथ बेहतर समय बिताएंगे जिससे आप सभी के बीच सामंजस्य बढ़ेगा।

धनु

आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आप अपने काम में पूरा आनंद लेंगे।

मकर

आज अचानक धन लाभ अथवा हानि की संभावना बन रही है इसलिए थोड़ा सतर्क रहें। निवेश संबंधी मामलों में सोच-विचार कर निर्णय लेने से लाभ की प्राप्ति होगी।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा क्योंकि आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा और मन भी मजबूत बनेगा। धन के मामले में सफलता मिलेगी।

मीन

आपके लिए दिन फायदेमंद साबित हो सकता है। आपको पहले किए गए किसी काम से मुनाफा हो सकता है। लोग आपके काम की तारीफ कर सकते हैं।

पठान की सफलता के बाद शाहरुख ने जवान के लिए कसी कमर

बॉलीवुड मसाला

शाहरुख खान की पठान बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। जबरदस्त ओपनिंग लेने वाली इस फिल्म ने महज तीन दिनों के अंदर 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। करीब चार साल के ब्रेक के बाद पठान के जरिए किंग खान ने शानदार वापसी की है। मगर, अब उनकी यह रफ्तार थमने वाली नहीं है। भले ही जीरो के बाद पठान के लिए उन्होंने लंबा इंतजार कराया, मगर अब अपनी अगली फिल्म के लिए वह दर्शकों से ज्यादा इंतजार नहीं कराएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान ने जवान के लिए कमर कस ली है। शाहरुख खान बहुत जल्द अपनी आगामी फिल्म जवान की शूटिंग में जुटेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान 1 फरवरी से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। यह 6 दिनों का शेड्यूल होगा। दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान इस दौरान फिल्म जवान के एक्शन सीक्वेंस शूट करेंगे। वहीं, एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा भी उन्हें जॉइन करेंगी। फरवरी में शाहरुख खान के बाद विजय सेतुपति और प्रियमणि फिल्म की शूटिंग का हिस्सा बनेंगे।निर्देशक एटली इन दिनों शाहरुख खान की फिल्म जवान के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। इस साल मार्च तक फिल्म की शूटिंग पूरी करने की तैयारी है। इस दौरान कई शहरों में इसे शूट किया जाएगा। बता दें कि जवान में सुनील ग्रोवर, नयनतारा, योगी बाबू और रिद्धि डोगरा जैसे सितारे भी नजर आएंगे। इस साल जवान शाहरुख की दूसरी फिल्म होगी, जो पठान के बाद सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म 2 जून, 2023 को रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म पठान के बहाने कंगना की धमकी, कहा, राजनीति से दूर रहो

कंगना रणौत ट्विटर पर तकरीबन डेढ़ साल बाद वापसी करने के बाद इन दिनों फुल स्विंग में नजर आ रही हैं। एक बार फिर ट्विटर पर अभिनेत्री का वही पुराना अंदाज दिखाई पड़ रहा है। कंगना के निशाने पर इस समय बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की कमबैक फिल्म पठान और इसके फैंस हैं। क्वीन को लेकर लगातार ट्वीट्स कर रही हैं, जो किंग खान के फैंस को बिलकुल भी रास नहीं आ रहा है। लेकिन कंगना फैंस के कमेंट्स से डरने वालों में से बिलकुल नहीं हैं। ऐसे में एक बार फिर आज सुबह-सुबह पठान पर निशाना साधते हुए हिंदूवाद का नारा लगा दिया है। इसके साथ ही बॉलीवुड को एक बार फिर धमकी भी दे दी है। बीते बुधवार, 25 जनवरी को रिलीज हुई शाहरुख खान की पठान ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रखा है। फिल्म महज तीन दिन में कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। जहां फैंस के साथ-साथ पूरी फिल्म इंडस्ट्री पठान की इस गूंज से खुशी से झूम उठी है, वहीं एक ऐसी शख्सियत भी हैं जो फिल्म के बहाने बॉलीवुड पर निशाना साध रही हैं। वह और कोई नहीं बल्कि कंगना रणौत हैं। अभिनेत्री को न तो पठान की सफलता रास आ रही है और न ही फिल्म के फैंस की खुशी। ऐसे में एक बार फिर अभिनेत्री ने ट्विटर के जरिए बायकॉट के बाद भी पठान के बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले फैंस को फटकार लगाते हुए राजनीति से दूर रहने की सलाह दी है। कंगना के इस ट्वीट को सलाह के साथ-साथ धमकी भी कहा जा सकता है।

दशहरा से नानी का नया पोस्टर हुआ रिलीज

साउथ सुपरस्टार नानी की मोस्ट अवेटिड एक्शन एंटरटेनर फिल्म दशहरा का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज में अभी समय है, लेकिन दशहरा का दमदार पोस्टर रिलीज हो गया है और साथ ही फिल्म के टीजर की भी रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। नानी की इस पैन इंडिया फिल्म का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है।

मेकर्स ने दशहरा के टीजर रिलीज की तारीख का ऐलान कर दिया है। नानी और मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्ट रिलीज किया है, साथ ऐलान कर दिया है कि फिल्म का टीज़र 30 जनवरी को प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म के लेटेस्ट पोस्टर में नानी हाथ में डंडा पकड़े, बाइक पर बैठे हैं, साथ ही उन्होंने मैले कपड़े पहने है और उनकी बड़ी दाढ़ी देखी जा सकती है। वहीं एक वीडियो भी शेयर किया गया है। सामने आए वीडियो में एक बुजुर्ग ग्रामीण को बीड़ी जलाते हुए दिखाया गया है। जब वो माचिस फेंकता है, तो आग लग जाती है और अंत में टीज़र की तारीख दिखाई देती है। दशहरा में नानी के साथ कीर्ति सुरेश और दीक्षित शेट्टी अहम भूमिका में नजर आएंगे। श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर सिनेमाज के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द्वारा फिल्म को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। समुथिरकानी, साई कुमार और जरीना वहाब भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है। पोस्ट-प्रोडक्शन पर अब काम तेजी से किया जा रहा है।

इस झील में मिला था एक किलोमीटर लंबा प्राचीन महल

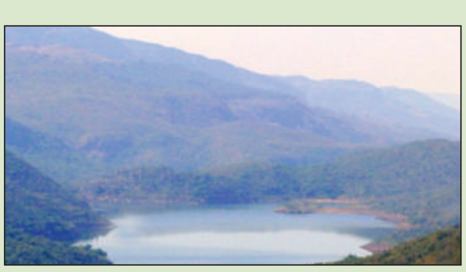

दुनियाभर में रहस्यों की कमी नहीं है। आज भी पृथ्वी पर ऐसे तमाम रहस्य मौजूद हैं जिनके बारे में कोई नहीं जानता। समय-समय पर ऐसे तमाम रहस्यों से शोधकर्ता पर्दा हटाते रहते हैं। ऐसे ही एक रहस्य की खोज साल 2017 में तुर्की में की गई थी। जब शोधकर्ताओं को एक झील में एक प्राचीन महल मिला था। दरअसल, पुरातत्वविदों की एक टीम को झील एक प्राचीन महल मिला था। वान यूनिवर्सिटी की टीम ने नवंबर 2017 में इस महल की खोज की थी। तुर्की की सबसे बड़ी और मध्य पूर्व की दूसरी सबसे बड़ी झील की गहराई में मिला यह प्राचीन महल काफी हद तक अच्छी हालत मिला था। टीम के प्रमुख तहसीन सीलान तब बताया था कि, स्थानीय लोगों के बीच यह बात कही जाती रही है कि पानी के नीचे कुछ हो सकता है लेकिन अधिकांश पुरातत्वविदों और संग्रहालय के अधिकारियों ने कहा था कि हमें वहां कुछ नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा था कि, हम वान झील में 10 साल से शोध कर रहे हैं और यह खोज हमारे लिए भी अप्रत्याशित है। यह महल एक किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। दीवारों की ऊंचाई तीन से चार मीटर के बराबर है, झील के क्षारीय जल ने इसे अच्छी स्थिति में रखा है। किले की शेष संरचनाएं पत्थरों से बनी हैं। महल के बारे में जानने के लिए अभी भी बहुत कुछ है। उदाहरण के लिए, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि महल की दीवारें झील के तलछट में कितनी गहराई तक गई हैं। इसके अतिरिक्त आगे के पुरातात्विक अनुसंधान से इस महल के निर्माताओं के बारे में अधिक जानने में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं ने पहली बार घोषणा करते हुए कहा कि उनका मानना है कि यह लुप्त हो चुकी उरारतु सभ्यता के लौह युग का अवशेष है, जिसे वान साम्राज्य भी कहा जाता है, जो नौवीं से लेकर छठी शताब्दी ईसा पूर्व तक आधुनिक ईरान के पास स्थित क्षेत्र में शुरू हुआ था। पिछले साल टीम ने झील के अंदर चार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र तक फैले स्टैलगमाइट्स (पत्थर की चट्टानें) की भी खोज की थी। इससे पहले इस साल शोधार्थियों ने झील में एक रूसी जहाज की खोज की घोषणा की थी जो 1948 में डूब गया था।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे कंजूस करोड़पति महिला

पैसे बचाने के लिए खाती है बिल्लियों का खाना

दुनिया में हर कोई चाहता है कि वह ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाए। इसके साथ ही हर किसी का करोड़पति बनने का सपना होता है। लोग सोचते हैं कि उनके पास पैसा होगा तो लग्जरी लाइफ जीएंगे और अपने सभी शौक को पूरा करेंगे। लेकिन दुनिया में कई लोग बेहद कंजूस होते हैं जो करोड़पति होने के बावजूद भी पैसा खर्च नहीं करना चाहते हैं।

अब इन दिनों एक अमीर महिला की खबर सामने आई है जिसे दुनिया की सबसे कंजूस करोड़पति होने का खिताब दिया गया है। यह महिला करोड़पति होने के बावजूद अपने खाने-पीने पर बेहद कम पैसा खर्च करती है। यह महिला कुल 43 करोड़ की संपत्ति की मालकिन है, लेकिन खाने-पीने से लेकर नौकरों तक पर बेहद कम खर्च करती है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि महिला पैसे बचाने के लिए बिल्लियों का खाना खा लेती है। घर पर काम करने के लिए नौकर तक नहीं रखा है। महीने के खर्च के लिए महिला पूरा बजट बना लेती है और इससे एक पैसा ज्यादा खर्च नहीं करती है। अगर पैसा कम पड़ जाए, तो वह कोई दूसरा उपाय कर लेती है। इस महिला का नाम ऐमी एलिजाबेथ है जो 51 साल की है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा कंजूस करोड़पति है।

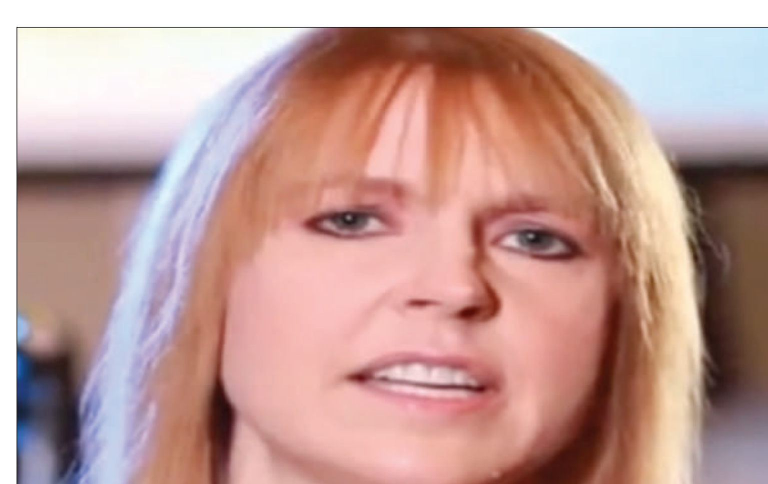

एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐमी 43 करोड़ की संपत्ति की मालकिन है। इसके महीने के खर्च का बजट 80 हजार रुपये है। वह इससे अधिक पैसे कभी नहीं खर्च करती है। महिला अपने पूर्व पति के घर में रहती है और उसकी सफाई पूर्व पति ही कराता है। महिला सफाई पर एक रुपये खर्च नहीं करती है। करोड़पति महिला के घर के इलेक्ट्रिक उपकरणों का एक सेकेंड अधिक इस्तेमाल नहीं करती है। महिला ने एक टीवी शो में बताया कि वह पैसा न खर्चा करना पड़े, इसके लिए कई बार बिल्ली का खाना खाई है। यह जानकर हैरान हो जाएंगे कि मेहमानों को भी बिल्ली का खाना खिलाया है। वह पैक्ड की जगह सस्ते खुले सामान खरीदती है। यह महिला रियल एस्टेट में पैसा लगाती है। इसकी वजह से उसकी दौलत बढ़ती जा रही है। इसके साथ ही वह बिजनेस कंसल्टेंट का भी काम करती है और किताबें लिखती है। महिला टीवी शो में अपने जिंदगी से संबंधित हैरान करने वाले खुलासे किए हैं।

सपा की नई टीम बनी, अखिलेश की ताकत बढ़ेगी

शिवपाल और स्वामी प्रसाद राष्ट्रीय महासचिव बने, 62 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हर जाति को जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी ताकत को और आगे बढ़ाने में जुटी सपा ने अपनी नई टीम घोषित कर दी है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपनी टीम को संतुलित रुप देने का प्रयास किया। 62 सदस्यीय टीम में हर जाति के लोगों को जगह दी है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के ठीक चार माह पूरा होने पर रविवार को अखिलेश यादव ने 62 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। इसमें किरनमय नंदा उपाध्यक्ष और प्रो रामगोपाल यादव प्रमुख महासचिव पद पर बरकरार हैं। शिवपाल सिंह यादव एवं स्वामी प्रसाद मौर्य सहित 14 लोगों को प्रमुख महासचिव बनाया गया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अति पिछड़े वर्ग की भागीदारी बढ़ी है।

सपा के 29 सितंबर को हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में अखिलेश यादव को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। रविवार को उन्होंने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए ज्यादातर पुराने चेहरों पर भरोसा जताया है। वर्ष 2017 में बने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 90 फीसदी चेहरों को दोबारा मौका मिला है। इतना जरूर है कि पिछली बार 55 सदस्यीय कार्यकारिणी थी, जिसे इस बार बढ़ाकर 62 सदस्यीय किया गया है। जो लोग पार्टी छोड़कर चले गए हैं, उनके स्थान पर बसपा से आने वालों को समायोजित किया गया है। कुछ को प्रोन्नति भी दी गई है।

अब 21 कर दिया गया है कार्यकारिणी सदस्यों की संख्या

पहले कार्यकारिणी सदस्यों की संख्या 25 थी, जिसे कम करके 21 कर दिया गया है। इसमें जयाबच्चन, रामगोविंद चौधरी, अबू आसिम आजमी, चंद्रपाल सिंह यादव, जावेद अली खान, अरविंद कुमार सिंह, डा. मुकेश वर्मा, ऊषा वर्मा, लीलावती कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, रामदुलार राजभर, संजय विद्यार्थी, ओपी यादव, पवन पांडेय, उज्जवल रमन सिंह, संजय लाठर, राजकुमार मिश्रा, डा. रमेश तोमर, धर्मेंद्र यादव, अक्षय यादव, तेज प्रताप यादव शामिल हैं। विशेष आमंत्रित सदस्यों की संख्या पहले छह थी, जिसे कम करकेचार कर दिया गया है। इसमें अल्ताफ अंसारी, किसान सिंह सैंथवार, व्यासजी गौड़, मौलाना इकबाल कादरी शामिल हैं।

उपाध्यक्ष एवं प्रमुख महासचिव पद पर कोई बदलाव नहीं

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष एवं प्रमुख महासचिव पद पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले 10 महासचिव थे, जिसे बढ़ाकर 14 कर दिया गया है। इसमें मोहम्मद आजम खां, शिवपाल सिंह यादव, रवि प्रकाश वर्मा, बलराम यादव, स्वामी प्रसाद मौर्य, विशंभर प्रसाद निषाद, अवधेश प्रसाद, इंद्रजीत सरोज, रामजीलाल सुमन, लालजी वर्मा, रामअचल राजभर, जो एटोनी, हरेंद्र मलिक, नीरज चौधरी को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। अभी तक कार्यकारिणी सदस्य रहे सुदीप रंजन सेन को प्रोन्नति देते हुए राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। पिछली बार 10 राष्ट्रीय सचिव थे, जिसे अब बढ़ाकर 19 कर दिया गया है। इसमें डा. मधु गुप्ता, कमाल अख्तर, दयाराम पाल, राजेंद्र चौधरी, राजीव राय, रामवक्श वर्मा, अभिषेक मिश्रा, जावेद आब्दी, रमेश प्रजापति, पीएन चौहान, आकिल मुर्तजा, अखिलेश कटियार, राम आसरे विश्वकर्मा, तारकेश्वर मिश्रा, हाजी इरफान अंसारी, राजाराम पाल, त्रिभुवन दत्त, वीरपाल यादव और राममूर्ति वर्मा शामिल हैं।

'नफरत छोड़ो, संविधान बचाओ' अभियान पदयात्रा में जुटी भीड़

- 15 राज्यों के 125 जन आंदोलनकारी शामिल
- शहादत दिवस पर जन संगठनों ने लिया संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नफरत छोड़ो, संविधान बचाओ अभियान देश में सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाने तथा धर्म, जाति, लिंग, भाषा के आधार पर समाज को बांटने के प्रयासों के खिलाफ देश को एकजुट करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं एवं संविधान पर हो रहे हमले के खिलाफ व्यापक गोलबंदी करने के लिए देशभर में 9 अगस्त 22 से अब तक की गई 300 पदयात्राओं के बाद अभियान के दूसरे चरण में 26 जनवरी को पलवल से शुरू हुई पदयात्रा आज बदरपुर बॉर्डर होकर गोकुलपुरी पहुंची।

पदयात्रा 26 जनवरी की सुबह 9 बजे गणतंत्र दिवस के अवसर पर पलवल (हरियाणा) की जाट धर्मशाला से ध्वजारोहण से शुरू हुई। सुबह 10 बजे पलवल रेलवे स्टेशन पर गांधी जी की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। 11 बजे संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर पलवल में आयोजित ट्रैक्टर रैली में सहभागिता की गई। पलवल बस स्टेशन पर आमसभा के पश्चात अल्लाहपुर तथा बाघोला में सभा के बाद शाम को पृथला में बड़े मंदिर में पदयात्रियों ने भोजन और रात्रि विश्राम किया। आयोजकों ने नागरिकों से छोटे-छोटे समूहों में बातचीत कर उन्हें बताया कि नफरत की राजनीति, समाज और देश को बर्बाद कर रही है।

ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री की हत्या

31 तक आधिकारिक कार्यक्रम निरस्त, झुका रहेगा तिरंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। झारसुगुड़ा जिले में एक पुलिसकर्मी द्वारा गोली मारे जाने के बाद मंत्री नब दास की एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। ओडिशा सरकार के द्वारा दिवंगत मंत्री का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पूरे राज्य में 31 जनवरी तक कोई आधिकारिक कार्यक्रम भी नहीं होगा। इस दौरान भुवनेश्वर में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। ओडिशा के दिवंगत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री नब किशोर दास को सोमवार को अंतिम श्रद्धांजलि दी जा रही है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी नब दास को उनके सरकारी आवास पर पहुंचकर अंतिम श्रद्धांजलि दी।

60 वर्षीय मंत्री को रविवार दोपहर करीब 1 बजे ब्रजराजनगर शहर में सहायक पुलिस उप-निरीक्षक (एएसआई) गोपाल दास ने गोली मार दी थी, जिसके बाद उन्हें झारसुगुडा के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। लेकिन स्थिति बिगड़ने के बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर भुवनेश्वर ले जाया गया जहां अपोलो अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम ने मंत्री का ऑपरेशन किया, लेकिन अंत में उन्होंने दम तोड़ दिया।

नब दास ओडिशा के प्रभावशाली नेताओं में से एक थे

बता दें कि ओडिशा के प्रभावशाली नेताओं में गिने जाने वाले नब दास की गिनती नवीन पटनायक के बेहद करीबी और उनकी सरकार के सबसे अमीर मंत्रियों में होती है। बीजद में शामिल होने से पहले वे कांग्रेस में थे और वे उन चंद कांग्रेसी नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने लगभग दो दशक तक नवीन पटनायक की लहर का ना केवल सामना किया था बल्कि बीजद उम्मीदवारों को हराया भी था।

तेज हवाओं से पारा लुढ़का, कांपे लोग

- उत्तर प्रदेश में भी बदला मौसम का मिजाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम में बदलाव के बाद रविवार को दिन में चलीं तेज हवा के साथ हुई बारिश से पारे में गिरावट दर्ज हुई। उम्मीद है कि सोमवार को हवा का रुख बदलकर पूर्व दिशा हो सकता है, जिससे तापमान में बढ़त होगी। हालांकि दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के कई राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। इस बूंदाबांदी ने किसानों के चेहरे पर खुशी ला दी है। सोमवार सुबह भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बूंदाबांदी की खबर है। ठंडी हवाएं भी चल रही हैं।

वहीं, उत्तर प्रदेश के भी कई जिलों में हुई बारिश के कारण ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, यूपी के कई जिलों में आज भी बारिश हो सकती है। इनमें चांदपुर, बड़ौत, दौराला, बागपत, मेरठ, खेकड़ा, मोदीनगर, किठौर, गढ़मुक्तेश्वर, पिलाखुआ, हापुड़, गुलौठी, सियाना, सिकंदराबाद, बुलंदशहर समेत कई शहर शामिल हैं। इसके अलावा बिहार के कई जिलों के न्यूनतम तापमान में भी कमी आई है। अगले पांच दिनों तक प्रदेश में पश्चिमी हवाओं का प्रवाह बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, दो दिनों के बाद न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री की और गिरावट आने से ठंड बढ़ेगी।

जम्मू-कश्मीर के लिए ऑरेंज अलर्ट

इसके अलावा जम्मू कश्मीर में रविवार को बादल छाए रहने के बाद रात को उच्च पहाड़ी क्षेत्रों में हिमपात व मैदानी क्षेत्रों में बारिश हुई। आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर के लिए सोमवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, पहाड़ों पर भी मौसम ने फिर करवट बदल ली है। उत्तराखंड में घने बादलों के बीच वर्षा-बर्फबारी का क्रम शुरू हो गया है।

कम विजिबिलिटी : दिल्ली से अहमदाबाद जा रही फ्लाइट डायवर्ट

दिल्ली से अहमदाबाद जाने वाली विस्तारा की एक उड़ान को कम दृश्यता के कारण राजस्थान के उदयपुर की ओर मोड़ दिया गया। विस्तारा ने बताया कि फ्लाइट सुबह करीब 9.10 बजे उदयपुर पहुंची। विस्तारा की ओर से कहा गया था कि दिल्ली से अहमदाबाद (डीईएल-एएमडी) जाने वाली उड़ान यूके 959 को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण उदयपुर की ओर मोड़ दिया गया है और इसके सुबह 9:10 बजे उदयपुर पहुंचने की उम्मीद है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए बापू, देश ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर याद कर रहा। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोक सभा व राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं ने बापू के समाधि स्थल राजघाट पर पुष्पाजंलि अर्पित की।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भी महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएम मोदी ने ट्वीट कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद किया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि मैं बापू को उनकी पुण्यतिथि पर नमन करता हूं और उनके गहन विचारों को याद करता हूं। मैं उन सभी को भी श्रद्धांजलि देता हूं, जो हमारे देश की सेवा में शहीद हुए हैं। उनके बलिदानों को कभी भुलाया नहीं जाएगा और विकसित भारत के लिए काम करने के हमारे संकल्प को मजबूत करते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर लिखा कि स्वदेशी और स्वावलंबन के मार्ग पर चलकर देश को आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा देने वाले महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। आजादी के अमृतकाल में पूज्य बापू के स्वच्छता, स्वदेशी और स्वभाषा के विचारों को अपनाकर उन पर चलाना ही गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने लखनऊ में जीपीओ स्थित बापू की प्रतिमा पर पुष्पाजंलि अर्पित की। इस दौरान स्कूली बच्चों ने वैष्णव जन समेत कई भजन प्रस्तुत किए। राष्ट्र के कल्याण के लिए समर्पित रहे राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिमा के समक्ष कुछ देर बैठकर बच्चों के भजनों को भी सुना। इस दौरान पार्टी के कई अन्य नेता भी वहां मौजूद रहे। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने भी ट्वीट कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन किया। अरविंद केजरीवाल ने लिखा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। पूज्य बापू जी ने पूरी दुनिया को सत्य और अहिंसा की सीख दी, उनके बताए आदर्श मार्ग पर चलते हुए देश की सेवा करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

शांतिपूर्ण आंदोलन, प्रेम-भाईचारा हमें बापू से विरासत में मिला : कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। कांग्रेस पार्टी ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर बापू को याद किया। कांग्रेस पार्टी ने ट्वीट किया कि भारत के महान आदर्शों से पूरी दुनिया को रूबरू कराने वाले एवं सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। शांतिपूर्ण आंदोलन, प्रेम-भाईचारा व सत्याग्रह जैसी विरासत हमें बापू से ही मिली हैं, जिसकी राह पर आगे बढ़ हम भारत को जोड़ रहे हैं।

हजरतगंज चौराहे पर सायरन बजा, गांधीजी को मौन नमन

महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर हजरतगंज चौराहे पर अलर्ट जारी करते ही सभी ट्रैफिक सिग्नल बंद कर दिए गए। सुबह 10 : 58 मिनट पर चौराहे पर सभी अशोक मार्ग, विधानसभा मार्ग, राजभवन रोड और महात्मागांधी मार्ग से आने वाला यातायात रोक दिया गया। इसके बाद में तेज आवाज में करीब एक मिनट तक सायरन बजाकर बलिदान दिवस पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी गई। सायरन के बंद होते ही हजरतगंज चौराहे पर खड़े सिविल डिफेंस के लोग और पुलिसकर्मियों ने दो मिनट का मौन धारण कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देने के बाद ट्रैफिक सिग्नल पुनः चला दिया गया।

सर्वदलीय बैठक में बजट को लेकर हुई चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र से एक दिन पहले केंद्र सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल के साथ कई विपक्षी नेता शामिल हुए। केंद्रीय मंत्रियों के अलावा कई विपक्षी दल के नेताओं ने भी इसमें भाग लिया। यह बैठक हर संसद सत्र से पहले आयोजित की जाती है। केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि इस सत्र में कुल 27 बैठक होनी है। वाईएसआर कांग्रेस सांसद विजय साई रेड्डी ने बैठक में कई मांगों को रखा।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री विवाद का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात दंगों पर पीएम मोदी के खिलाफ बनी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 6 फरवरी को सुनवाई होगी। शीर्ष न्यायालय एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने को राजी हो गया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष ये याचिका दायर की गई है।

अधिवक्ता एमएल शर्मा ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष एक जनहित याचिका डाली है। याचिका में कहा गया है कि बीबीसी डॉक्यूमेंट्री इंडिया: द मोदी क्वेश्चन पर प्रतिबंध लगाने का केंद्र का फैसला दुर्भावनापूर्ण, मनमाना और असंवैधानिक है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है कि वे बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के दोनों भाग देखे और उसकी जांच करे। कोर्ट उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करे जो 2002 के गुजरात दंगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार थे। अनुच्छेद 19 (1) (2) के तहत नागरिकों को 2002 के गुजरात दंगों पर समाचार, तथ्य और रिपोर्ट देखने का अधिकार है या नहीं।

स्नातक शिक्षक एमएलसी चुनाव में जमकर वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक क्षेत्र की पांच सीटों पर चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। मतगणना दो फरवरी को होगी। सभी जगह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान हो रहा है। दोपहर 12 बजे तक 10.42 फीसदी मतदान हो चुका था।

वहीं विधानसभा परिषद की बरेली-मुराबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए मतदान सोमवार को सुबह आठ बजे से जारी है। बारिश की वजह से मतदान की रफ्तार धीमी है। इस चुनाव में बरेली और मुरादाबाद मंडल के नौ जिलों के मतदाता भाग लेंगे। उधर गोरखपुर-फैजाबाद खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव के लिए मतदान सुबह आठ बजे से जारी है, जो शाम चार बजे तक चलेगा। चुनाव में 17 जिलों के 321 बूथों पर दो लाख 50 हजार 856 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। गोरखपुर, बस्ती और कुशीनगर में 10 बजे तक चार फीसदी मतदान पड़े।

जोशीमठ की तरह धारचूला में भी पड़ रही दरार

धंस रहा चौदास ततांरोतो गांव, हो सकता है बड़ा हादसा, लोग सामुदायिक भवनों में रहने को मजबूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून/पिथौरागढ़। जोशीमठ में भूधंसाव जैसी आपदा धारचूला तहसील के चौदास ततांरोतो गांव के लोग भी जूझ रहे हैं। यहां तो हालात इतने खराब हो गए हैं कि लोग अपने घरों को छोड़ कर सामुदायिक भवनों में निवास कर रहे हैं। यहां पर वर्ष 2013 से लगातार भूधंसाव हो रहा है।

लोगों के घरों में दरार है और कई घर तो जमीन धंसने के कारण नीचे की ओर जा रहे हैं। ऐसे में यहां के लोग हमेशा ही मौत के साए में रहते हैं। इनकी शिकायत है कि शासन प्रशासन से कई बार पत्राचार के बावजूद अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। इसके कारण लोगों में भारी आक्रोश है। ततांरोतो गांव में वर्ष 2013 से लगातार मकानों में दरार आ रही है। साथ ही जमीन खिसकती जा रहीं हैं। इस क्षेत्र में हालात खराब हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक संज्ञान नहीं लिया है। स्थानीय लोग यह आरोप लगा रहे हैं। क्षेत्र के हालातों का संज्ञान लेने के लिए स्थानीय लोगों के जरिए दिए ज्ञापनों की फाइलें अब तक फाइलों में ही दफन है। लोग ततांरोतो गांव के लोग परेशान हाल हैं और अब वे आंदोलन करने के की योजना बना रहे हैं। सीमांत धारचूला के लोग प्रशासन पर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं।

जोशीमठ नगर में बनेगा सीवेज सिस्टम

देहरादून। केंद्र सरकार की नमामि गंगे परियोजना के तहत जोशीमठ नगर के लिए 200 करोड़ की लागत से सीवेज सिस्टम बनाया जाएगा। इसके तहत चरणबद्ध तरीके से पूरे क्षेत्र को जोड़ा जाएगा और अलग-अलग स्थानों पर छोटे-छोटे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाए जाएंगे। पहले चरण में 42 करोड़ की लागत से यहां 6.3 किमी लंबी ब्रांच सीवेज लाइन बछाई जाएगी जिससे नगर के 1848 भवनों को जोड़ा जाएगा। इसके लिए उत्तराखंड जलनिगम गंगा इकाई-गोपेश्वर की ओर से प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। भू-धंसाव प्रभावित नगर को बचाने के लिए अब प्राथमिकता से सीवेज सिस्टम पर जोर दिया जा रहा है। उत्तराखंड जलनिगम गंगा इकाई ने बीते दो सप्ताह में जोशीमठ नगर का सर्वेक्षण कर सीवेज लाइन निर्माण का खाका तैयार किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।